2020-21

क्र.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा	मो. नं.	प्रतिवेदन का शीर्षक	प्रोजेक्ट अंक 50	मौखिक अंक 50	कुल योग
शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुण्डरदेही								
49	रामेश्वर	हेमंत साहू	B.Com - III	7000598259	स्वच्छ भारत मिशन			
50	केवल चंद	हेमलाल	B.Sc. III	6268185803	जल संरक्षण			
51	चंचल	नरेन्द्र कुमार	B.Sc. III	6268979719	वृक्षारोपण			
52	जयश्री	संजय	B.Sc. III	7389984096	टीकाकरण			
53	एकलभ्य	मोतीलाल	B.Sc. III	6263124706	रक्तदान			
54	धारणी	तखत सिन्हा	B.Sc. III	6267885601	उर्जा संरक्षण			
55	मनीषा	लक्ष्मीनारायण	B.Com III	6265462999	शिक्षा एवं साक्षरता			
56	लक्ष्मी चंद्राकर	रमेश चंद्राकर	B.Com III	6263571364	महिला सशक्तिकरण			
57	धामणी ठाकुर	मनहरण ठाकुर	B.Sc. III	8223823622	कोरोना जागरूकता			
58	जागृति	शिवराम	B.Sc. III	9399639428	स्वास्थ्य, शिक्षा अभियान			
59	नागेश्वरी	अर्जुन सिंह	B.Sc. III	9691967102	सहकारिता में उन्नति			
60	पूर्णिमा	गुलाब राम	B.Sc. III	7440866283	नशा मुक्ति			
61	महेन्द्र दास	मणिदास	BA III	6267558801	आपदा प्रबंधन			
62	मीरा सिन्हा	राम सिंह	B.Com III	6264082594	बालश्रमिक			
63	राधिका	तुलसी राम	B.Com III	6266181246	समाज सेवा			
64	खुशबू	एमन	B.Sc. III	7987898560	भारतीय संस्कृति			
65	पुष्कर	मनोज कुमार	B.Sc. III	7024929738	कुष्ठ रोग निवारण जागरूकता अभियान			
66	मिलेश्वर	कमल सिंह	B.Sc. III	9617569237	पंचायती राज			
67	लिलेश्वरी	बंशीलाल	B.Sc. III	6267574575	वन संरक्षण			
68	दुर्गेश कुमार	श्याम लाल	B.Com III	7389232378	पर्यावरण संरक्षण			
69	भूमिका	प्रेमलाल	B.Sc. III	7440866283	मृदा संरक्षण			

शासकीय शहीद कौशल यादव स्नातक महाविद्यालय गुण्डरदेही जिला-बालोद (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय सेवा योजना 'सी' प्रमाण पत्र
हेतु प्रतिवेदन (प्रोजेक्ट) का प्रारूप

राष्ट्रीय सेवा योजना में 'सी' प्रमाण पत्र का विशिष्ट महत्व है। इस हेतु प्रतिवेदन की प्रस्तुति सावधानी पूर्वक होनी चाहिए। पंजीयन होने के तत्काल बाद स्वयंसेवक को विशय का चयन कर कार्यक्रम अधिकारी से स्वीकृति लेनी चाहिए। विषय – चयन के समय निम्नांकित पक्षों को ध्यान में रखना चाहिए–

1.	पर्यावरण	2.	स्वास्थ्य
3.	स्वच्छता	4.	शिक्षा / साक्षरता
5.	बालश्रमिक	6.	नारी – चेतना
7.	समाज सेवा	8.	समाजिक समस्याएँ (नशा, उन्मुलन, अस्पृश्यता.....)
9.	राष्ट्रभाषा	10.	आर्थिक सशक्तिकरण
11.	ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण	12.	आकस्मिक आपदा

एवं अन्य समसामयिक स्थानीय विषयों का चयन। परियोजना प्रतिवेदन दो खण्डो में विभक्त रहेगा –

प्रथम खण्ड–

सैध्दांतिक पक्ष – इस खण्ड में परियोजना संबंधी उद्देश्य, परिकल्पना, साधन, समाज एवं देश से सम्बध्दता आदि पर प्रकाश डाला जायेगा। इसका स्वरूप निम्नवत् हो सकता है–

- परियोजना प्रतिवेदन का शीर्शक –
- परियोजना का उद्देश्य – (10 से 15 पंक्तियों में)
- परियोजना की परिकल्पना एवं प्रविधि – (परियोजना के साकार करने हेतु की गई कल्पना एवं प्रविधि के अंतर्गत – ऐसा करने से ऐसा ही हो सकता है – आदि का विवरण – दो तीन पृष्ठों में)
- परियोजना प्रतिवेदन हेतु साधन (एक या दो पृष्ठ में), (पुस्तकालय, पत्र–पत्रिका, साक्षत्कार, नुक्कड़, नाटक आदि)
- परियोजना का समाज अथवा राष्ट्र के लिए उपयोगिता (तीन से पॉच पृष्ठों में)

Scanned with CamScanner

द्वितीय खण्ड –

व्यावहारिक पक्ष – इस खण्ड में विभिन्न सैध्दांतिक बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए स्वयंसेवक द्वारा सम्पादित कार्यो का विवरण प्रस्तुत करना है। स्वयंसेवक स्वंयसेवक परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने हेतु विद्यालय, गॉव अथवा शहर में किसी तिथि, किस समय, किस स्थान, किन लोगों को सूचित किया है विषय पर किसने क्या सलाह दी, प्रभाव कैसा रहा आदि का विवरण होना चाहिए। इसके लिए अन्य क्या – क्या कार्य किये गये इसका बिंदुवार दस से बीस पृष्ठों में दिया जा सकता है। इसके अतिरिक्त संदर्भित फोटो, साक्षत्कार की कॉपी, समाचार पत्र की कॉपी, अन्य प्रधान पाठक, सरपंच एवं अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रमाण पत्र आदि लगाये जाये। प्रतिवेदन के अतिरिक्त अन्य सत्र भर की स्वयंसेवक की गतिविधि का भी उल्लेख होना चाहिए।

विशेष –

- परियोजना प्रतिवेदन के प्रथम पृष्ठ पर प्रस्तुतकर्ता का नाम, परियोजना का विषय, सत्र, संस्था का नाम एवं विश्वविद्यालय का विवरण होना चाहिए।
- द्वितीय पृष्ठ पर कार्य – मौलिकता का प्रमाण पत्र, आभार एवं कार्यक्रम अधिकारी तथा प्राचार्य का प्रमाण पत्र सम्मिलित होना चाहिए।
- कुल मिलाकर प्रतिवेदन 20 से 30 पृष्ठों में केंद्रित होना चाहिए।
- स्वयंसेवक ''ए'', ''बी'' रासेयों से संबंधित अन्य प्रमाण पत्र (सात दिवसीय शिविर, पल्स पोलियो, साक्षरता आदि) संलग्न कर सकता है।
- परियोजना प्रतिवेदन आकर्षक ढंग से प्रस्तुत होना चाहिए।
- प्रतिवेदन की एक कॉपी विश्वविद्यालय को, एक कॉपी कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय को एक कॉपी स्वयं सेवक के पास होनी चाहिए।

सी प्रमाण पत्र हेतु एक सत्र में स्वयंसेवक को 120 घण्टे का कार्य करना आवश्यक है। विश्वविद्यालय द्वारा लिये जाने वाले साक्षत्कार के समय डायरी एवं स्वयंसेवक का प्रोजेक्ट साथ में होना चाहिए।

Scanned with CamScanner